**भारत सरकार**

**संस्कृति मंत्रालय**

**लोक सभा**

**अतारांकित प्रश्न संख्या : 3471**

**उत्तर देने की तारीख : 15 जुलाई, 2019**

**सतरा संस्कृति**

**3471. श्री अब्दुल खालेक :**

क्या **संस्कृति मंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या सरकार को असम में सतरा संस्कृति के बारे में जानकारी है;

(ख) क्या सरकार को बारपेटा नगर के बारे में जानकारी है जो सतरा से घिरा हुआ है; और

(ग) क्या संस्कृति मंत्रालय बारपेटा नगर को एक धार्मिक पर्यटन स्थल के रूप में विकसित करने के लिए इस मामले को पर्यटन मंत्रालय के समक्ष उठाएगा क्योंकि उक्त नगर सतरा से घिरा हुआ है और वैष्णव गुरू महापुरूष श्रीमांता शंकरदेव और श्री माधव देव जैसे दो महापुरूषों की कर्म स्थली है?

**उत्तर**

**(श्री प्रहलाद सिंह पटेल)**

**संस्कृति एवं पर्यटन राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार)**

(क) : जी, हां। सतरा वैष्णव धर्म की एकशरण परंपरा से संबंधित संस्थागत केन्द्र हैं। असम में ऐसी कई सौ संस्थाएं हैं और ये एक-दूसरे से स्वतंत्र हैं। प्रत्येक सतरा एक अधिकार (सतराधिकार) के नियंत्रणाधीन होता है।

सतरों की स्थापना असम के महान वैष्णव संत और समाज सुधारक, श्रीमंत शंकरदेव द्वारा वैष्णव धर्म के प्रचार-प्रसार हेतु सशक्त माध्यम के तौर पर की गई थी। उन्होंने संगीत, नृत्य और नाटक के माध्यम से कला और भक्ति को समाहित किया। ब्रजबुलि भाषा में अपने सरल नाटकों के माध्यम से उन्होंने दर्शकों को भक्ति रस और परमेश्वर के प्रति निस्वार्थ प्रेम से परिचित कराया।

शंकरदेव ने अपने जन्म स्थान, बारदोवा में अपना पहला सतरा स्थापित किया।

(ख) : जी, हां। बारपेटा असम में एक प्रशासनिक जिला है। बारपेटा में आकर्षण का सबसे अधिक महत्वपूर्ण केन्द्र महान वैष्णव संत और श्री श्री शंकरदेव के मुख्य शिष्य, माधवदेव द्वारा स्थापित सतरा है। बारपेटा सतरा में माधवदेव ने दैनिक प्रार्थना सेवा की पद्धति कायम की और धार्मिक उपाधियों की पद्धति आरंभ की।

(ग) : बारपेटा नगर को धार्मिक पर्यटन स्थल बनाने के लिए भारत सरकार के पास कोई प्रस्ताव विचाराधीन नहीं है।